WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. General Part-II Examination, 2019

SANSKRIT

PAPER: SANG-II

Time Allotted: 3 Hours | Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks. Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

প্রান্তিক সীমার মধ্যস্থ সংখ্যাটি পূর্ণমান নির্দেশ করে। পরীক্ষার্থীরা নিজের ভাষায় যথা সম্ভব শব্দসীমার মধ্যে উত্তর করিবে।

UNIT-I

[Full Marks-40]

1. Answer any ***one*** question from the following: 12×1 = 12
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির থেকে যে-কোনো ***একটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ

(a) Discuss the dramatic significance of the curse of Durbāsā in the drama Abhijñānaśakuntalam.
'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে 'দুর্বাসার অভিশাপ' বৃত্তান্তটির নাটকীয় তাৎপর্য আলোচনা করো।

(b) What does the word Abhijñāna mean? Show the appropriateness of the title of the drama Abhijñānaśakuntalam.
'অভিজ্ঞান' শব্দের অর্থ কি ? 'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকটির নামকরণের সার্থকতা দেখাও।

(c) What was the necessity of introduction of a mad elephant in the first act of Abhijñānaśakuntalam? Explain the allegory underlying the episode.
'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকের প্রথম অঙ্কে মত্তহস্তী প্রবেশের ঘটনাটির কি প্রয়োজন ছিল ? অন্তর্নিহিত রূপকটির বিশ্লেষণ করো।

2. Write short notes on any ***four*** of the following: 2×4 = 8
নিম্নলিখিতগুলির মধ্যে যে-কোনো ***চারটি*** বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ

मारीचः, त्रिशंकुः, सानुमती, मातलिः, सूत्रधारः, सर्वदमनः।

3. Translate into Bengali or English any ***two*** of the following verses: 6×2 = 12
নিম্নলিখিত শ্লোকগুলির মধ্যে যে-কোনো ***দুটির*** বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ

(a) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

(b) स्वप्नो नु माया नु मतिभ्रमो नु
क्लिष्टं नु तावत् फलमेव पुण्यम्।
असन्निवृत्यै तदतीतमेते
मनोरथा नाम तदप्रपाताः ॥

(c) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्
पर्युत्सुको भवति यत् सुखितोऽपि जन्तुः।
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपुर्वं
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि॥

(d) नीवाराः शुकगर्भकोटरमुखभ्रष्टास्तरुणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुदीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगा–
स्तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किताः॥

4. Explain with reference to the context any ***one*** from the following verses. 8×1 = 8
निम्नलिखित যে-কোনো একটি শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করোঃ

(a) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दुरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः॥

(b) कृत्ययोर्भिन्नदेशत्वाद द्वैधीभवति मे मनः।
पुरः प्रतिहतं शैले स्रोतः स्रोतोवहो यथा॥

(c) यदुत्तिष्ठति वर्णेभ्यो नृपाणां क्षयि तत् फलम्।
तपः षड्भागमक्षय्यं ददत्यारण्यका हि नः॥

UNIT-II
[Full Marks-30]

5. (a) Give a vivid description of the romantic journey amidst nature of the king Dilīpa with his beloved queen Sudakṣiṅā towards the hermitage of Vaśiṣṭha. 12
প্রিয়রাণী সুদক্ষিণার সাথে রাজা দিলীপের বশিষ্ঠাশ্রমগমনের সময়ে প্রকৃতির মাঝে বিচরণকালীন যাত্রাপথের চিত্র বর্ণনা করো।

OR / অথবা

(b) Discuss the qualities of Raghu as found in Raghuvaṃśaṃ, Canto-I.
রঘুবংশের প্রথম সর্গ অনুসারে রঘুর গুণাবলী আলোচনা করো।

6. Write short notes on any ***two*** of the following: 2×2 = 4
নিম্নলিখিত যে-কোনো ***দুটি*** বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ

পितरौ, सुरभि, हेयङ्गवीनम्, सुदक्षिणा।

7. Translate into Bengali or English any ***one*** from the following verse: 6×1 = 6
নিম্নলিখিত যে-কোনো ***একটি*** শ্লোকের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ

(a) स बेलावप्रवलयां परिखीकृतसागरम्।
अनन्यशासनामूर्वीं शशासैकपुरीमिव॥

(b) प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो वलिमग्रहीत्।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥

8. Explain with reference to the context any ***one*** from the following verses: 8×1 = 8
निम्नलिखित যে-কোনো ***একটি*** শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করোঃ

(a) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

(b) प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः॥

UNIT-III
[Full Marks-20]

9. (a) Give the resulting forms of any ***six*** from the following: 1×6 = 6
যে-কোনো ***ছয়টির*** পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখোঃ

(i) आस् + शानच्
(ii) भिद् + क्त
(iii) चिन्त + तव्य
(iv) अधि-इ + ल्यप्
(v) प्रशस्य + इष्ठन्
(vi) शी + शानच्
(vii) आ-दा+ ल्यप्
(viii) ग्रह् + तुमुन्
(ix) कृ + ण्यत्
(x) विनता + ठक्
(xi) लक्ष्मी + मतुप्
(xii) सह + तुमुन्

(b) Substitute single words for any ***six*** from the following: 1×6 = 6
নিম্নলিখিত যে-কোনো ***ছয়টি*** এককথায় প্রকাশ করোঃ

(i) पुनः पुनः नृत्यति
(ii) तर्कं वेत्ति अधीते वा
(iii) द्वारे नियुक्तः
(iv) प्रियं वदति या सा
(v) सीता जाया यस्य सः
(vi) तपः चरति
(vii) अहनि अहनि
(viii) अर्थम् अनतिक्रम्य
(ix) ग्रामे भव
(x) कुत्सितः पन्था
(xi) यवनानां लिपिः
(xii) लक्ष्मीरस्य अस्ति

(c) Name and expound the Samasa in any ***four*** from the following: 2×4 = 8
নিম্নলিখিত যে-কোনো ***চারটির*** ব্যাসবাক্যসহ সমাস নির্ণয় করোঃ

(i) यथाशक्ति
(ii) पाणिपादम्
(iii) केशाकेशि
(iv) राजपथः
(v) निर्मक्षिकम्
(vi) मातापितरौ
(vii) त्रिमुनिः
(viii) मुखचन्द्रः

UNIT-IV

[Full Marks-10]

10. Translate any ***one*** of the following passages into Bengali or English. $10 \times 1 = 10$
নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ দুটির মধ্যে যে-কোনো ***একটির*** বাংলা অথবা ইংরেজীতে অনুবাদ করো।

(a) कस्मिंश्चिद ग्रामे सपत्नीकः कश्चित् ब्राह्मणः एकस्मिन् कुटीरे वसति स्म। अस्य ब्राह्मणस्य पत्नी अतीव कलहप्रिया आसीत्। तस्याः कलहभयात् वायसा अपि गृहोपरि नोपविशन्ति स्म। एकदा तस्याः कलहज्वालामसहमानः स ब्राह्मणः गृहं परित्यज्य वनं प्रस्थितः। वने कस्यचिद् वृक्षस्याधः उपविष्टः स ब्राह्मणः रोदिति स्म।

(b) हिरण्यकशिपुर्नाम विष्णुविद्वेषी एको दैत्यराजोऽयोध्यायां प्रतिवसति स्म। दैत्यराजपुत्रः प्रह्लादस्तु सदैव बिष्णोर्नाम जपति स्म। एतदाकर्ण्य क्रुद्धः पिता प्रह्लादमवदत्– "रे पुत्र! कुत्र तव हरिस्तिष्ठति ?" प्रह्लादः प्रत्युवाच– "स करुणामयो जले स्फटिकस्तम्भे सर्वत्रैव" इति।

——×——